उत्तर बिहार में रेलवे की वर्तमान स्थिति एवं विकास : एक अध्ययन

नागेन्द्र कुमार राय
शोधार्थी
स्नातकोत्तर अर्थशात्र विभाग
ल0 ना0 मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा

क्षेत्रफल की दृष्टि से बारहवां तथा जनसंख्या की दृष्टि से तीसरा स्थान रखने वाला बिहार भारत का एक अविकसित राज्य है। इस राज्य का कुल क्षेत्रफल 94.163 वर्ग किलोमीटर है। भौतिक बनावट एवं संरचना की दृष्टि से बिहार तीन भागों में विभक्त है– ''उत्तर का शिवालिक का पर्वतीय भाग एवं तराई क्षेत्र, बिहार का विशाल मैदान तथा दक्षिण का सीमान्त पठारी प्रदेश। गंगा नदी बिहार के विशाल मैदान को दो भागों में बाँटती है – गंगा का उत्तरी मैदान और गंगा का दक्षिणी मैदान। गंगा का उत्तरी मैदान उत्तरी बिहार में स्थित है जो समतल एवं मूलतः एकरूपी होने के बावजूद यहाँ की प्रवाह प्रणाली के कारण स्थानीय भिन्नता रखता है। उत्तरी बिहार का यह भू–भाग गंगा उत्तरी तराई के 56,980 वर्ग किमी0 तक क्षेत्र में फेला हुआ है, जो राज्य के 32.77 प्रतिशत क्षेत्र पर विस्तृत हैं। प्रतिशत क्षेत्र पर विस्तृत है। गंडक, बुढी गंडक, बागमती, कोसी, कमला, महानन्दा उत्तरी बिहार की मुख्य नदियां है। मुजफ्फरपुर, सीतामढी, शिवहर, दरभंगा मधुबनी, समस्तीपुर, सुपौल इत्यादि उत्तरी बिहार के प्रमुख जिलें हैं।

रेलवे किसी भी देश की सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था का आधार स्तम्भ होता है। रेलों ने भारत देश की सम्पूर्ण सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक जीवन में क्रांति उत्पन्न कर दी है। भारत की वर्तमान औद्योगिक उन्नति, कृषि विकास और उन्नत समाजिक व्यवस्था का श्रेय रेलों को ही दिया जाता है। वास्तव में रेलें ही राष्ट्र की जीवन रेखायें हैं। दूसरे शब्दों में, रेलों ने सम्पूर्ण अर्थ व्यवस्था एवं सामाजिक जनजीवन को एक नया रूप दिया है।

रेल व्यवस्था के सन्दर्भ में विश्व में दूसरा तथा एशिया में पहला स्थान रखने वाला भारत देश के अन्य राज्यों की तरह बिहार में भी रेल परिवहन की व्यवस्था है। बिहार में रेलवे परिवहन का शुभारम्भ 1860–62 ई0 में तब हुआ था जब ईस्ट इण्डिया कम्पनी ने गंगा के किनारे कलकत्ता तक जाने की लाईन बिछाई थी। रेलवे परिवहन की दृष्टि से बिहार का देश में 5वां स्थान है। राज्य में विस्तृत रेल नेटवर्क राज्य और देश के अन्दर की जगहों को बड़े पैमाने पर जोड़ता है। राज्य में रेल पथ की कुल लम्बाई 54.00 किलोमीटर से अधिक है। दरभंगा, मधुबनी, जैसे सुदूर स्थान ब्रॉड गेज (GB) रेलमार्ग के जरिये दिल्ली, मुम्बई, चेन्नई आदि महत्वपूर्ण शहरों से जुड़े हैं।

देश के कुल 16 रेलवे जोनों में से पूर्व पध्य रेलवे (ECR) एक मुख्य रेलवे जोन है। इसका मुख्यालय उत्तरी बिहार के हाजीपुर में स्थित है। इसकी स्थापना 01 अक्टूबर 2002 को हुई थी। इस रेलवे जोन के अर्न्तगत पांच रेल मंडल – दानापुर मंडल, मुगलसराय मंडल, धनबाद मंडल, सोनपुर मंडल तथा समस्तीपुर मंडल शामिल हैं। पूर्व मध्य रेलवे के पास 3000 से अधिक सवारी डिब्बों की क्षमता मौजुद हैं। यह उत्तर बिहार के 80 प्रतिशत भागों में अपने दो रेल मंडलों समस्तीपुर मंडल तथा सोनपुर रेल मंडल के देख–रेख में रेलवे यातायात का सफल संचालन करता है। समस्तीपुर रेला मंडल अधिकांश रूप में उत्तर बिहार के सर्वाधिक क्षेत्रों में रेल नेटवर्क को नियंत्रित करता है।

रेल मंडल में रेलवे ट्रेकों की लम्बाई सबसे अधिक है जो विस्तृत रूप से उत्तरी बिहार में स्थित है। उत्तरी बिहार में बरौनी, खगड़िया, बेगुसराय, मुजफ्फरपुर, हाजीपुर, सोनपुर, दलसिंहसराय, अक्षयवट राय नगर, नया गांव समस्तीपुर, मोतिहारी, बेतिया, रक्सौल, नरकटियागंज, सहरसा, दरभंगा, मधुबनी, सुगौली, सीमामढी तथा जनकपुर रोड मॉडल स्टेशन हैं और नौवगछिया, मानसी, बरौनी, थाना बिहपुर, शाहपुर पटोरी, खारिक, महेशखुंट, नारैनपुर, मधुबनी, सीमामढी, बैरगनिया, गड़पुर, घोड़ासहन रोड, जनकपुर रोड, सलौना, सिमरी बख्तियारपुर और सुपौल आदर्श स्टेशन हैं।

उत्तर बिहार के सर्वाधिक भागों मे रेलवे परिवहन का संचालन करने वाला समस्तीपुर रेल मंडल की स्थापना 1969 ई0 में हुई थी। इसका मंडलीय मुख्यालय समस्तीपुर में बुढी गंडक नदी के किनारे स्थित है। इस रेल मंडल के

अर्न्तगत उत्तर बिहार के कुल 14 जिलों के रेल क्षेत्र आते हैं। से जिलें हैं– समस्तीपुर, दरभंगा, सीतामढी, पूर्वी चम्पारण, पश्चिमी चम्पारण, मधेपुरा, सहरसा, सुपौल, पूर्णिया, मधुबनी, मुजफ्फरपुर, खगड़िया, बेगूसराय और अररिया। इस रेल मंडल में बहुत से पर्यटन स्थल हैं जिसे देखने दूर'–दूर से यात्री आते रहते हैं जिससे रेलवे को काफी कमाई होती है। इस डिवीजन में सभी प्रकार के रेलवे लाईनों की कुल लम्बाई 1090.43 किलोमीटर है जिसमें ब्रॉड गेज की लम्बाई 652.12 किलोमीटर तथा मीटर गेज की लम्बाई 363.88 किमी0 है। 74.43 किमी0 रेलवे लाईन का अमान परिर्वतन का कार्य प्रगति पर है। 1095.63 किमी0 ट्रेकों की कुल लम्बाई है।

दिनांक 20.07.2013 को 'हिन्दुस्तान' दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित एक खबर के अनुसार मुजफ्फरपुर से जनकपुर रोड तक सीधी रेल सेवा के लिए नई रेल लाईन के निर्माण की कवायद तेज कर दी गयी है। अन्य नवीन रेल मार्गों में दरभंगा – बहेड़ी – कुशेश्वरस्थान, बहेड़ी – मुक्तापुर – मंझौल, दरभंगा – मुजफ्फरपुर इत्यादि प्रस्तावित रेलमार्ग हैं जिसका निर्माण भविष्य में कराया जाएगा। सकरी से बिरौल तक रेलमार्ग का निर्माण कर उस पर गाड़ी भी दौड़ाई जा रही है किन्तु बिरौल से हसनपुर तक शेष बचे लाईन का निर्माण कार्य मध्यम गति से चल रहा है।

उत्तरी बिहार के समस्तीपुर रेल मंडल में कुल स्टेशनों की संख्या 195 है जिसमें 9 जंक्शन, 101 ब्लॉक स्टेशन, 67 हॉल्ट स्टेशन तथा 18 फ्लैग स्टेशन है। कुल 919 रेलवे क्रॉसिंगों की संख्या है जिनमें 368 मानवसहित तथा 551 मानव रहित क्रॉसिंग हैं। स्पष्ट रूप में ब्रॉड गेज के अर्न्तगत 275 मानवसहित तथा 244 मानव रहित क्रॉसिंगों और मीटर गेज सेक्शन में 93 मानवसहित तथा 307 मानवरहित क्रॉसिंगों की संख्या है। रेलवे पुलों की संख्या 1293 है जिसमें 14 महत्वपूर्ण पुल, 247 प्रमुख पुल तथा 1032 समान्य पुल हैं। इस मंडल में कुल 195 स्टेशनों मे से 145 स्टेशनो का विद्युतीकरण हो चुका है 29 स्टेशनों में व्यापक सौर उर्जा की व्यवस्था है। 35 हॉल्ट स्टेशनों का अबतक विद्युतीकरण नहीं हुआ है। ब्रॉडगेज और मीटर गेज पर ख्लने वाली कुल गाडियों की संख्या 222 है। दरभंगा एक मात्र 'A1' वर्ग का स्टेशन है जहां से 50 करोड़ से अधिक यात्रियों से रेल विभाग की कमाई होती है।

पूर्व मध्य रेलवे का सोनपुर रेल मंडल समस्तीपुर रेल मंडल के बाद उत्तर बिहार में व्यापक रूप से रेलवे यातायात का संचालन करता है। सारण जिले में स्थित सोनपुर रेल मंडल की स्थापना 21 अक्टूबर 1978 में उत्तर पूर्व रेलवे के अर्न्तगत हुआ था। इसका मुख्यालय सोनपुर में है। इसके अर्न्तगत उत्तर बिहार के 8 जिलों के रेलवे क्षेत्र आते है– सरण, वैशाली, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, बेगुसराय, खगड़िया, भागलपुर और कटिहार। बरौनी– कटिहार रेलमार्ग इस रेल डिवीजन का महत्वपूर्ण लिंक है जो देश के उत्तरी तथा उत्तरी–पूर्वी राज्यों को यात्री सेवा प्रदान करता है और साथ ही मालगाड़ियों के जरिये वस्तुओं की ढुलाई सेवा उत्तरी–पूर्वी राज्यों में करता है। वर्तमान में 88 स्टेशन इस मंडल में स्थित है इसमें 60 क्रॉसिंग, 2 फ्लैग तथा 26 हॉल्ट स्टेशन है। 93 जोड़ी एक्सप्रेस/मेल गाड़ियां तथा 36 जोड़ी सवारी गाड़ियां इस डिवीजन में दौड़ती है। इस डिवीजन की आमदनी साल में लगभग 411 करोड़ रूपया है। मुजफ्फरपुर जंक्शन प्रमुख स्टेशन है जहां से सोनपुर रेल मंडल के 40 प्रतिशत रेल यात्री यात्रा करने आते हैं। लगभग 75.80 करोड़ रूपया की आमदनी इस स्टेशन से होती हैं। यह नगर बिहार का वित्तीय केन्द्र तथा उत्तरी बिहार की राजधानी है। 'हिन्दुस्तान' समाचार पत्र में दिनांक 22.02.2010 को पृष्ठ संख्या 9 पर प्रकाशित एक खबर के अनुसार, करीब दो वर्ष पहले से मुजफ्फपुर से नित्य औरसतन 76 सवारी व मेल एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन होने लगा है। इसके अतिरिक्त प्रतिदिन यहां से 25 मालगाड़ियां गुजरती है। इसके बाद हाजीपुर वह दूसरा प्रमुख स्टेशन है जहां से एक वर्ष में 25 करोड़ की आमदनी रेल यात्रियों से होती है। 50 प्रतिशत यात्रियों से रेलवे विभाग को आय की प्राप्ति इन्हीं दो स्टेशनों से होता है। लगभग 70 प्रतिशत टैंक वैगन की लोंडिंग से अच्छी आय की प्राप्ति इस मंडल को होती है। इस मंडल से देश के प्रसिद्ध नगरों तक जाने के लिए यहां से सीधी रेल सेवा उपलब्ध है। इस डिवीजन में रूट 469.682 किमी0, ट्रेक 998.025 किमी0 तथा डबल लाईन 293.062 (62.31) हैं।

सोनपुर रेल मंडल में कुल रेल पुलों की सुख्या 478 है। जिनमें 2 महत्वपूर्ण पुल गंडक पुल (पुल संख्या – 78) तथा कोसी पुल (पुल संख्या – 10) है। 64 प्रमुख रेल पुल है। 392 सामान्य पुल है। सड़क के उपर बने पुलों की संख्या 11 तथा सड़क के अन्दर बने पुलों की संख्या 9 है। लेवेल क्रांसिंग गेटों की संख्या 362 है जिसमें मानवसहित गेटों की संख्या 262 तथा मानवरहित गेटों की संख्या 100 है।

सोनपुर रेल मंडल से बेहतर रेल सेवा देने तथा इस क्षेत्र का संतुलित आर्थिक विकास करने के दृष्टिकोण से भारतीय रेल मंत्रालय ने बहुत प्रकार के कार्य एवं योजनाओं को पारित किया है। उदाहरण स्वरूप सोनपुर में डेमु शेड, सोनपुर दिघा लिंक को सीधे रूप में जोड़ने हूतु गंगा नदी के उपर सड़क सह रेल पुल, सितलपुर रेलवे स्टेशन के निकट रेल चक्का फैक्ट्री का निर्माण छपरा मुजफ्फपुर के बीच एक नई रेल लाईन, बरौनी कटिहार सेक्शन का दोहरीकरण तथा सम्पूर्ण रेल डिवीजन को विद्युतीकरण करने का कार्य योजना में शामिल है। वर्ष 2012 के विभिन्न यंत्रे एवं केवल तारें को बदला गया है।

इस प्रकार उत्तर बिहार के शेष 5 जिलें ऐसे हैं जहां सम्पूर्ण तथा आधे या आधे से अधिक अथवा आंशिक रूप में रेलवे परिवहन का संचालन अन्य रेलवे जोनों, रेल मंडलों के जरिये होता है।

उत्तरी बिहार में रेलवे की वर्तमान स्थिति एवं विकास के सन्दर्भ में उपर्युक्त अंकित तथ्यों के आलोक में यह कहा जा सकता है कि रेलवे का विकास सम्पूर्ण उत्तरी बिहार में संतोषप्रद रूप में नहीं है तथा इसकी वर्तमान स्थिति भी अनुकूल नहीं है। विभिन्न तर्कों के आधार पर देश के अन्य रेल क्षेत्रों से तुलना करने पर यह स्पष्ट हो जाएगा कि उत्तरी बिहार में रेलवे बिकास की अनुकूल स्थिति प्रदान करना बेहद आवश्यक है। तभी जाकर उत्तरी समेत सम्पूर्ण बिहार का अर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक इत्यादि क्षेत्रों का संतुलित विकास हो पायेगा जिससे देश के संतुलित विकास में सहायता प्रदान होगी।

संदर्भ सूची :–

1. भंडारी रतन राज – भारतीय रेल 150 वर्षों का सफर, प्रकाशन विभाग और प्रसारण मंत्रालयत्र भारत सरकार, प्रकाशन वर्ष – 2010।
2. दैनिक समाचार पत्र, हिन्दुस्तान।
3. कर्ण, डॉ0 विनय – बिहार सामान्य ज्ञान, लुसेन्ट प्रकाशन, बंगाली अखाड़ा, लंगरटोली पटना – 4, प्रकाशन वर्ष – 2008।
4. मिश्र एवं पूरी – भारतीय अर्थव्यवस्था, हिमालय पब्लिशिंग हाउस, बम्बई, प्रकाशन वर्ष – 1998।
5. पूर्व मध्य रेलवे का वेबसाईट – www.ecr.indianrail.gov.in